

Genüge RV. 6,14,1. सा तथेत्यन्नवीत्सा वै वो वरं वृणा इति वृणाषिति
 AIR. BR. 1,7,2,22. गवां त्रीणि शतानि त्वमवृणीथा मत् *waren dir lieber
 als ich* 7,17. TS. 2,5,2,3. ÇAT. BR. 11,5,2,12. 14,7,4,1. कानृत्वितो
 ऽवृथाः 10,3,4,1. ÂCV. GRH. 1,23,1. fgg. 24,1. VS. 28,12. act.: इन्द्रो
 वृत्रमवृणोत्प्र मायिनाममिनात् (doppeltes Wortspiel) I. suchte den Vr.
 aus, ihn unter den Zaubernern vernichtete er RV. 3,34,3. — त्रीन्वरावृ-
 णीषु KATHOP. 1,9. KAUSH. UP. 3,1. MBH. 3,6000. RAGH. 2,63,3,63.
 KATHAS. 22,189. BHĀG. P. 4,20,23. MĀRK. P. 16,87. 91,84. वृणु त्वं वर-
 मोप्सितम् MBH. 1,3391. R. 2,9,25. त्रियतामीप्सितो वरः BHĀG. P. 7,
 3,17. MĀRK. P. 16,50. वरदं तं वरं वत्रे MBH. 1,498. वरं च मत्कंचन
 वृणीषु BHĀG. P. 4,20,16. सा वत्रे मत्परराजयम् *erbat sich* MBH. 5,7377.
 R. 2,31,5. पदेव वत्रे तदपश्यदाकृतम् RAGH. 3,6. KATHAS. 15,1. BHĀG.
 P. 4,12,8. WEBER, RĀMAT. UP. 344. स्थूलानि सूक्ष्माणि बहूनि चैव इपाणि
 देही स्वगुणैर्वृणोति ÇVĒTĀCV. UP. 5,12. अन्यदृणीतम् MBH. 1,7639. अ-
 णोत्पाण्डवानामदासताम् 2,2698. ववार रामस्य वनप्रयाणम् BHĀTT. 3,6.
 वृतं तेनेदम् KUMĀRAS. 2,56. AK. 3,2,41. H. 1484. यन्मनोगतं मतः — वृणी-
 ष्ति BHĀG. P. 4,12,7. KATHAS. 7,57. BHĀTT. 9,25. AK. 3,4,24,175. तद्-
 णुष मां *das erbitte dir von mir* MĀRK. P. 24,4. वृणोमि धर्मं न मही-
 मधर्मतः R. GORR. 2,18,54. कामार्थं वृणीति यः *zieht vor* MBH. 5,990 (eig.
 995). अयक्रमणमेवातः (so die ed. Bomb.) सर्वकामैरुदं वृणे R. 2,34,40.
 वत्रे यज्ञमिति 32,41 (45 GORR.). वत्रे पुत्रं माहूतविक्रमम् । द्विजप्रसादा-
 दिच्छेयम् 5,3,24. वत्रे स च प्रभुम् । देवदानवयज्ञाणाम् — अथद्यो भवेयं वै
er erbat sich von MBH. 3,13583. रामं वरीतुं परिरक्षणाथम् Rāma um
 Schutz anzugehen BHĀTT. 1,17. अवरिष्टान्तमत्स्यं कपिं कृत्तुम् *er bat
 Aksha den Affen zu tödten* 9,26. पक्ष्यमाणं आरुणिं वत्रे (d. i. zum
 Rtvig) KAUSH. UP. 1,1. अन्यानवृषिं KĀND. UP. 1,11,2. MBH. 1,6914.
 त्रसिष्ठमवृत्तवृत्तम् BHĀG. P. 9,13,1. वृणुयादेव चर्तव्यम् M. 7,78. वृत 2,
 143. 8,206. तां न वत्रे पुरुषः कश्चित् *es erwählte kein Mann sie* (zur
 Gattin), *es warb Niemand um sie* MBH. 3,8567. न च कश्चिद्वृणोति त्वाम्
 (so zu lesen) 16647. तेन चास्मि वृता पूर्वम् 5,5971. BHĀG. P. 4,27,20.
 पुत्रस्य कते वत्रे वसुदत्तस्य कन्याम् *er warb für den Sohn um* KATHAS.
 21,58. पितरं नो वृणीषु *werbe beim Vater um uns* R. 1,34,29. नान्यं
 पतिं वृणे MBH. 1,3388. 3,2173. 2187. 10541. RAGH. 12,33. KATHAS. 20,
 118. 44,41. BHĀG. P. 3,14,12. 4,27,21. 6,6,39. स्वयं हि वृणवते राज्ञो
 कन्यकाः सदृशं वरम् 9,20,15. 10,60,11. सकृदतो मया भर्ता न द्वितीयं
 वृणोम्यहम् MBH. 3,16684. वृते नैषधे भैम्या 2225. 2242. 2963. VIKR. 101.
 श्रीश्च त्वां वृणुते पद्मा R. 2,70,12. वृणाते हि विमृश्यकारिणं गुणालुब्धाः
 स्वयमेव संपदः Spr. 3226. KATHAS. 66,109. तं शुक्रवृषपर्वाणो । वत्राते वै
 यथा पुरा so v. a. *zum Schwiegersonn* *ersehen* MBH. 1,3185. तं पौराहि-
 त्याप वत्रे 675. BHĀG. P. 7,5,1. देवा वत्रिरे ऽङ्गिरसं मुनिम् । पौराहित्येन
 याज्यार्थं काव्यं तूशनसं परे ॥ MBH. 1,3188. पतित्वे 3,2208. RAGH. 16,24.
 सारथ्ये भोजने MBH. 3,2901. अत्रैरपत्यत्वं (०त्वे?) वृतः BHĀG. P. 1,3,41.
 यन्मे कन्यां स्वकन्यार्थं (so die ed. Bomb.) वृतवानसि so v. a. *an Tochter
 Stelle annehmen* MBH. 5,7502. असमञ्जं वृणीषिकमस्मान्वा so v. a. *wähle
 zwischen ihm und uns* R. 2,36,20. परान्वृणीते स्वान्द्रेष्टि *liebt* MBH. 5,
 4149. *Jmd zum Gnadenempfänger erwählen* so v. a. *Jmd (acc.) eine
 Gnade gewähren*: वरीतुं तां तु शकुयाम् RĪGĀ-TAR. 3,421.

— caus. वरयति, ०ते (ईप्सायाम्) DHĀTUP. 35,2. *sich erwählen*, — aus-

bitten, *Jmd um Etwas angehen*, *werben um*: वरं वरय MBH. 1,6429.
 R. 1,31,13. 43,17. BHĀG. P. 2,9,20. 7,10,14. MĀRK. P. 19,13. HR. 116,
 7. वरयस्व MBH. 2,2410. 3,16778. HARIV. 7972. कन्या वरयते इयं माता
 वितं पिता श्रुतम् Spr. 3864. खनित्रपितके R. GORR. 2,37,5. ज्येष्ठा हिम-
 वतः सुतां गङ्गा वरयां चक्रिरे देवाः 1,37,17. सरथो सधनुष्को च भीमसेन-
 धनंजयो । यमौ च वरये राजवदासान्स्ववशानकम् ॥ *ich erwähle mir als
 Gnade, dass sie im Besitz von Wagen u. s. w. seien*, MBH. 2,2411. *Jmd
 bitten um*, mit dopp. acc.; act. MBH. 13,1119. R. 1,36,16. R. GORR. 1,
 40,12,2,9,18. — तं च राजा यष्टुकामो वरयिष्यति sc. zum Rtvig R. SCHL.
 1,10,9. आचार्यं वरयेयं त्वामस्त्रार्थम् MBH. 3,12015. सकृपं वरयामास मा-
 रीचम् R. 1,1,48 (52 GORR.). 10,13. तं भर्तारं वरयामास MBH. 1,3779. 3,
 2157. 2169. fgg. 2189. 2217. 2769. 2972. fg. वरयेथाः प्रुभे ऽयं तम् (sc. भ-
 र्तारम्) 1,7004. 3,2180. R. GORR. 1,35,42. तौ न कश्चिद्वरयामास (sc. प-
 त्नीम्) MBH. 3,16643. Spr. 4972. MBH. 13,112. med. 3,2241. वरयित्वा
 1,6134. दयती । वरयां चक्रतुः कन्यां दशार्णाधिपतेः सुताम् *sie warben um
 sc. für den Sohn* 5,7417. fg. नृपतेस्तनुज्ञो शिखण्डिनो वरयामास दारान्
 7418. वरये त्वां महीपाल लोपमुद्रा प्रयच्छ मे 3,8571. 13,105 (act.). राम-
 लक्ष्मणयोरर्थं त्वत्सुते वरये R. 1,70,44. सुतादयं पत्न्यर्थं वरयामहे 72,5,6.
 R. GORR. 1,72,34. 74,5,8. 7,80,11. तं यज्ञाय वरयामास R. SCHL. 1,11,2.
 पार्थिवस्त्वां वरयते नगोत्तम धनार्थम् VARĀH. BRH. S. 43,18. सद्ये R. 5,
 89,17. पतित्वे MBH. 3,2140 (med.). मैत्र्याद्वरयित्वा विदूषकम् KATHAS. 18,
 342. श्रोकारो ऽथ वषट्कारो वेदाश्च वरयन्तु माम् so v. a. *mögen mir hold
 sein* R. 1,65,21. R. GORR. 1,67,13. — वरयति ist eigentlich denom. von वरं.

— अयं *abfinden*: अयं त्वा वृणे शतेन LĀTJ. 9,9,20.

— अयि *erwählen*: मया शास्त्रपतिः पूर्वं मनसाभिवृतः MBH. 5,5971.
 PAKĀR. 3,9,14. बहूनि सकृन्नाणि ग्रामपतिवै ऽभिवत्रिरे MBH. 12,4861.
 श्रेयो हि धीरो ऽभि प्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दा योगज्ञेमादृणीते *erwählen
 vor so v. a. vorziehen* KATHOP. 2,2.

— आ 1) *erwählen, erwünschen*: अर्वः RV. 2,26,2. 41,19. 3,2,4. इषेः
 12,5. आ वै वृणे सुमत्तिम् 33,11. 37,9. 7,39,11. 97,2. यस्य त्वं सद्यम्या-
 वर्ः 8,19,30. AV. 19,42,3. — 2) *Jmd Etwas zukommen lassen*: यो चा-
 नूते दन्तिणामावृणोति MBH. 13,4317. = प्रयच्छति NĪLAK. mit Erwähnung
 einer Lesart आवृणोति.

— व्या *erwählen*: तां कन्यां व्यावृणवन्पार्थिवाः MBH. 1,4418 *nach
 der Lesart der ed. Bomb.*, व्यावृणवन् ed. Calc.

— उद् *scheinbar* R. 2,11,9, *wo aber mit der ed. Bomb. उद्दस्व
 st. उद्दस्व und ausserdem माम् st. मे zu lesen ist.*

— निम् *auswählen*: निरुकिमिदृणति वृत्रकृत्ये RV. 4,19,1. TBa. 1,3,
 6,7. 6,4,10.

— परि *erwählen*: पुत्रोः श्रियं परि घोषावृणीत RV. 7,69,4. 4,41,7.

— प्र *erwählen*: प्र त्वां हृतं वृणीमहे RV. 1,36,3. 3,19,1. पूषणं पु-
 ज्याय 8,4,15. प्र सुन्वानस्यान्धसो मर्तो न वृतं तद्वचः *von dem gekelterten
 Tranke nehme er an* 9,101,13. पुरोहितस्वार्थेणा प्रवरं प्रवृणीरन् AIR,
 Ba. 7,25. TS. 2,5,22,9. ÇAT. BR. 1,3,5,3. 4,2,3. 2,5,3,30. 6,1,28. KĀV.
 Ça. 9,8,8. यथाप्रवृतम् 16. श्रौष्याणि गृह्यतेः प्रवरित्वा (falsche Form
 mit Anklang an प्रवरः प्रथमं वरित्वा Comm.) ÂCV. Ça. 4,1,17. करोमि
 कामं कं ते ऽयं प्रवृणीषु यथेच्छसि MBH. 7,437. 3,17196. धर्मं तु यः प्रवृ-
 णोति 3,771. BHĀTT. 20,28. यावन्न ते ऽङ्गिमभयं प्रवृणीत लोकः BHĀG. P.